UP Board Class 6 Science Notes Chapter 6 जीव जगत

○ **उद्दीपन** हम आस-पास होने वाले परिवर्तनों के प्रति अनुक्रिया करते हैं वातावरण में होने वाले परिवर्तनों को उद्दीपन कहते हैं।

○ **उत्सर्जन :-** शरीर का अपशिष्ट पदार्थ सजीवों द्वारा निष्कासन के प्रक्रम को उत्सर्जन कहते हैं।

○ **आवास :-** किसी सजीव का वह परिवेश जिसमें वह रहता है , उसका आवास कहलाता है।

○ **अनुकूलन :-** जिन विशिष्ट संरचनाओं अथवा स्वभाव की उपस्थिति किसी पौधे अथवा जंतु को उसके परिवेश में रहने के योग्य बनाती है , अनुकूलन कहलाता हैं।

○ **स्थलीय आवास :-** स्थल (जमीन) पर पाए जाने वाले पौधों एवं जंतुओं के आवास को स्थलीय आवास कहते हैं।
उदाहरण :- वन , घास के मैदान , मरुस्थल , तटीय एवं पर्वतीय क्षेत्र आदि।

○ **जलीय आवास :-** जलाशय , दलदल , झील , नदियाँ , एवं समुद्र , जहाँ पौधे एवं जंतु जल में रहते हैं , जलीय आवास कहलाता है।

○ **जैव घटक :-** पारिस्थितिकी तंत्र के संजीव घटकों को जैव घटक कहते हैं। इसमें पेड़-पौधे तथा जन्तु होते हैं।

○ **अजैव घटक :-** किसी पारिस्थितिक तन्त्र में पाए जाने वाले सभी निर्जीव पदार्थ उसके अजैवक घटक हैं।
जैसे :- **चट्टान , मिट्टी , वायु एवं जल** आदि।

○सूर्य का प्रकाश एवं ऊष्मा भी परिवेश के अजैव घटक हैं।

○ **अंकुरण :-** बीज से नए पौधे का प्रारंभ है , जब बीज से अंकुरण निकल आता है तो इस प्रक्रिया को अंकुरण कहते हैं।

○ **प्रजनन :-** जीव-जंतु प्रजनन द्वारा अपने समान संतान उत्पन्न करते हैं।

○ कुछ जंतु अंडे देते हैं।

○ कुछ जंतु शिशु को जन्म देते हैं।

○ **गति :-** सभी सजीव एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाते हैं तथा उनके शरीर मे अन्य प्रकार की गति भी करते हैं।

○ **भोजन :-** भोजन सजीवों को उनकी वृद्धि के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है।

○ **वृद्धि :-** जंतुओं के बच्चे भी वृद्धि कर वयस्क हो जाते है।

○ **श्वसन क्रिया :-** हम वायु से ऑक्सीजन लेते है और कार्बनडाइऑक्साइड को श्वास द्वारा बाहर निकल देते है।

https://www.evidyarthi.in

○श्वसन सभी सजीवों के लिए आवश्यक है।

○ केंचुआ त्वचा द्वारा साँस लेता हैं।

○ मछली गिल द्वारा साँस लेते है।

○ पौधे पत्तियाँ सूक्ष्म रन्धों द्वारा वायु को अंदर लेती है।

सजीव में श्वसन , उत्सर्जन , उद्दिपन के प्रति अनुक्रिया ,प्रजनन , गति एवं वृद्धि , तथा मृत्यु होती हैं।

अल्प अवधि में किसी एक जीव के शरीर में होने वाले ये छोटे-छोटे परिवर्तन पर्यनुकूलन कहलाते हैं।

evidyarthi